इंदौर एयरपोर्ट को बड़ी सौगात : टी-1 टर्मिनल का लोकार्पण आज

▶ 50 करोड़ की लागत से तैयार आधुनिक टर्मिनल

नवभारत न्यूज़

इंदौर. देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को रविवार को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है. एयरपोर्ट के नवीनीकृत टर्मिनल-1 का रविवार को केंद्रीय उड्डयन मंत्री किंज रापु राममोहन नायडू द्वारा वर्चुअल लोकार्पण किया जाएगा.

करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस नवीनीकृत टर्मिनल के शुरू होने से एयरपोर्ट की सालाना यात्री क्षमता 50 लाख हो जाएगी. यह टर्मिनल एयरपोर्ट की

हेरिटेज बिल्डिंग में विकसित किया गया है. केंद्रीय उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू 11 बजे वर्चुअली उद्घाटन करेंगे. मुख्यमंत्री को समय से पहले बुलाने का प्रयास किया गया है ताकि नायडू से वर्चुअल बातचीत स्वयं मुख्यमंत्री कर सकें. कार्यक्रम टर्मिनल-1 के बाहर आयोजित किया गया है, जिसमें शहर के बुद्धिजीवियों को आमंत्रित किया गया है. इस अवसर पर सांसद लालवानी, एयरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मांगीरवार और सलाहकार समिति के सदस्य भी परिसर में उपस्थित रहेंगे.

कई आधुनिक सुविधाएं भी

नए टी-1 टर्मिनल में यात्रियों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं शुरू की गई है. इसमें उड़ान कैफे, फ्री वाई-फाई, फ्लाइब्रेरी (बुक रीडिंग स्पेस), अवसर स्टॉल है. वेटिंग एरिया में 200 अतिरिक्त सीटें जोड़ी गई हैं. पीक टाइम में बैठने की समस्या से राहत मिलेगी. टर्मिनल संचालन और अधिक व्यवस्थित होगा.

उड़ानों का दबाव होगा कम-टी-1 टर्मिनल से 72 सीटर यू एटीआर विमान संचालित होंगे. वर्तमान में रोज़ाना लगभग 100 उड़ानों का संचालन होता है. इनमें से एटीआर उड़ानों को टी-1 पर शिफ्ट किया जाएगा. इससे मुख्य टर्मिनल टी 2पर दबाव कम होगा. नए टर्मिनल-1 के शुरू होने से इंदौर एयरपोर्ट न सिर्फ अधिक यात्रियों को संभाल पाएगा, बल्कि यात्रियों को बेहतर, सुविधाजनक और आधुनिक अनुभव भी मिलेगा.

इंदौर की उड़ानें घटीं, चार शहरों से सीधी कनेक्टिविटी खत्म

नवभारत न्यूज़

इंदौर. इंदौर की हवाई कनेक्टिविटी में एक बड़ा बदलाव सामने आया है. समर शेड्यूल लागू होते ही शहर से चार महत्वपूर्ण गंतव्यों- नासिक, उदयपुर, भुवनेश्वर और जम्मू- के लिए सीधी उड़ानें बंद हो रही हैं. यह फैसला न केवल यात्रियों के लिए असुविधा बढ़ाएगा, बल्कि व्यापार और पर्यटन गतिविधियों पर भी असर डाल सकता है.

इन शहरों के लिए अब यात्रियों को सीधे विकल्प नहीं मिलेंगे, जिससे उन्हें अन्य बड़े शहरों के जरिए कनेक्टिंग फ्लाइट्स लेनी पड़ेंगी. खास तौर पर भुवनेश्वर और जम्मू जैसे दूरस्थ स्थानों के लिए यात्रा अधिक लंबी और जटिल हो जाएगी. इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में भी कटौती की जा रही है. शारजाह रूट पर उड़ानों की संख्या कम होगी, जिससे विदेश यात्रा करने वालों के विकल्प सीमित हो जाएंगे. हालांकि, समर शेड्यूल में जलगांव के लिए एक नई उड़ान प्रस्तावित की गई है, लेकिन इसकी शुरुआत की तारीख अभी तय नहीं है. ऐसे में यह राहत फिलहाल सिर्फ योजना तक ही सीमित है. दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ जहां इंदौर में नए टर्मिनल का लोकार्पण हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ उड़ानों में कमी से यात्रियों में असंतोष बढ़ रहा है। पहले भी कई शहरों से सीधी कनेक्टिविटी खत्म हो चुकी है, और इस नए बदलाव से इंदौर की एयर नेटवर्क और कमजोर होती नजर आ रही है।

मोबाइल कोर्ट देख दुकानें बंद कर गायब हुए व्यापारी

▶ मालवा मिल क्षेत्र में नगर निगम ने की कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. शनिवार को नगर निगम की मोबाइल कोर्ट मालवा मिल मुख्य सड़क पर पहुंची. मोबाइल कोर्ट के साथ नगर निगम का भारी अमला मौजूद था. निगम मोबाइल कोर्ट की भनक लगते ही दुकानें बंद कर व्यापारी गायब हो गए. स्थिति यह थी कि बंद दुकानों के बाहर निगम अमले के अधिकारी और कर्मचारी बैठे रहे.

नगर निगम के मोबाइल कोर्ट हर शनिवार रविवार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण और

स्पॉट फाइन की कार्रवाई करती है. आज दोपहर मोबाइल कोर्ट मालवा मिल चौराहे से पाटनीपुरा मुख्य सड़क पर कार्रवाई करने पहुंची. मोबाइल कोर्ट के साथ बड़ी संख्या में नगर निगम के सहायक राजस्व अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे. साथ ही नगर निगम की 20 से ज्यादा गाडियां और ट्रकों भी मौजूद थे. भारी अमले को देख क्षेत्र में हड़कंप मच गया. स्थिति यह हो गई कि राहगीर भी कुछ समझ नहीं पा रहे थे और मौके पर मौजूद कर्मचारियों से पूछ रहे थे कि अचानक नगर निगम का इतना बड़ा अमला क्यों मौजूद है. कुछ कर्मचारियों ने मोबाइल कोर्ट के जानकारी दी. अतिक्रमण और स्पॉट फाइन को लेकर मालवा मिल चौराहे पर मोबाइल कोर्ट ने चालान बनाना शुरू किया. वैसे ही क्षेत्र के अधिकांश व्यापारी दुकानें बंद कर मौके से गायब हो गए. स्थिति यह थी कि पाटनीपुरा चौराहे से तीन पुलिया वाले रास्ते पर भी एक तरफ की दुकानें बंद कर व्यापारी भागते नजर आए.

तीन घंटे चली कार्रवाई

नगर निगम के मौके पर मौजूद तीन सहायक राजस्व अधिकारी ने सिर्फ इतना बताया कि 40 से ज्यादा चालान बन गए होंगे और सड़क के दोनों तरफ कार्रवाई तीन घंटे से ज्यादा चलेगी. इस बारे में मोबाइल कोर्ट के न्यायधीश से जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने मैं अधिकृत नहीं हूं और नाम का भी कहीं उल्लेख करने का मना किया.

हाईकोर्ट में डेली कॉलेज की याचिका खारिज, पिंटू को मिला स्थगन

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के प्रतिष्ठित डेली कॉलेज के हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है. वहीं शहर के बड़े जमीन मालिक पिंटू छाबड़ा को प्रशासन के खिलाफ स्थगन मिल गया है. दोनों पर जिला प्रशासन ने 2.5 करोड़ डायवर्शन टैक्स की वसूली निकाली है.

▶ मामला 2.5 करोड़ रुपए की वसूली का

पिछले दिनों जिला प्रशासन ने शहर के प्रतिष्ठित डेली कॉलेज और भू माफिया पिंटू छाबड़ा को डायवर्शन टैक्स का नोटिस दिया है. डायवर्शन टैक्स की राशि जमा नहीं करने पर कुर्की की कार्रवाई करने का कहा है. उक्त नोटिस के खिलाफ डेली कॉलेज और पिंटू छाबड़ा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. इसी के तहत मूसाखेड़ी स्थित डेली कॉलेज की 3 लाख 35 हजार वर्ग फीट जमीन और चितावद की 30 हजार वर्ग फीट जमीन का डायवर्शन टैक्स जमा नहीं किया है. प्रशासन के राजस्व विभाग ने दोनों जमीनों को लेकर 1.63 करोड़ रुपए से ज्यादा का डायवर्शन टैक्स जमा करने का नोटिस दिया है.

टैक्स में पिछले पांच साल का जुर्माना भी शामिल है. इसी तरह बायपास पर दस्तूर डिलाइट गार्डन के पास खुली भूमि, जिस पर बड़े-बड़े कॉन्सर्ट होते हैं. उक्त 3.669 हेक्टेयर जमीन को लेकर गुरमीत सिंह उर्फ पिंटू छाबड़ा को 57.36 लाख एवं पिंटू की पत्नी गुरजोत कोर के नाम से 1.93 हेक्टेयर जमीन का 49.25 लाख रुपए, कुल 1 करोड़ रुपए डायवर्शन टैक्स जमा करने का नोटिस दिया है. नोटिस में राशि जमा नहीं करने पर संपत्ति कुर्की के कारवाई के चेतावनी भी दी गई है.

एसडीएम कोर्ट में अपील करने का मौका मौजूद

जिला प्रशासन की वसूली के खिलाफ हाईकोर्ट ने उपरोक्त याचिका पर सुनवाई करते हुए डेली कॉलेज के तर्क से असहमत होकर खारिज कर दी. आदेश में कहा गया है कि एसडीएम कोर्ट में अपील करने का मौका मौजूद हैं, इसलिए याचिका खारिज कर दी. दूसरी ओर पिंटू छाबड़ा ने बताया कि उक्त जमीन पर हाऊसिंग बोर्ड से सुप्रीम कोर्ट में याचिका विचाराधीन है. 21 मार्च 2021 से स्थगन है. हाईकोर्ट ने प्रशासन को छाबड़ा के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने के आदेश दिए.

एक नजर में

माता की चौकी के साथ किया कन्या पूजन

इंदौर. नवरात्रि के पवन पर्व पर शहर के महिलाओं के ग्रुप द्वारा माता जी की चोखी का आयोजन किया गया. वाओ वर्ल्ड ऑफ वुमन ग्रुप द्वारा मेंबर के लिए माता की चौकी का आयोजन किया गया. ग्रुप की प्रेसीडेंट सुरुचि मल्होत्रा ने बताया कि साल की शुरुआत व नवरात्रि को देखते हुए मेंबर्स और उनके परिवार के सदस्यों के लिए यह आयोजन किया गयास जिससे इस नव वर्ष में माता सबकी झोली खुशियां से भर दे और सबकी मनोकामना पूरी हो सके. शहर के भगवती महिला मंडल द्वारा माता के भजनों की प्रस्तुति दी गई., मां की आराधना करते हुए सभी ने नृत्य भी किया. सभी छोटी कन्याओं को टीका लगा कर उनका आशिर्वाद भी प्राप्त किया. चूंकि ग्रुप मेंबर्स के लिए नया साल शुरू हो रहा है. इसकी शुरुवात माता की भक्ति से और उनके आशीर्वाद से की जाए तो पूरा साल खुशी से गुजरेगा. नवरात्रि पर सभी मेंबर ने दिल से माता की भक्ति की ओर इस आयोजन को सफल बनाया.

टेक्नो स्पार्क 50 5जी हुआ लॉन्च

इंदौर. भारत के पास कोई पॉज़ बटन नहीं है और न ही इसे आगे बढ़ाने वाले लोगों के पास. टेक्नो में, हमारा मानना है कि टेक्नोलॉजी को भी इसी रफ़्तार से कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए. टेक्नो स्पार्क 50 5जी को भारतीय जीवन के अनिश्चित प्रवाह के लिए बनाया गया है जहाँ लंबे दिन, लगातार भाग-दौड़ और वास्तविक दुनिया की चुनौतियाँ सामान्य बात हैं. लंबे सफ़र से लेकर धूल, गिरने और अचानक होने वाली मॉनसून की बारिश तक- यह डिवाइस हर स्थिति में आपका साथ देने के लिए डिज़ाइन किया गया है. यह स्टाइल, मज़बूती और रोज़मर्रा की मुश्किलों को झेलने की क्षमता का बेहतरीन मेल है, ताकि आपकी डिजिटल ज़िंदगी भी आपकी तरह ही बिना किसी रुकावट के चलती रहे. इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, टेक्नो मोबाइल इंडिया के सीईओ अरिजीत तलापात्रा ने कहा भारत जैसे तेज़ी से बदलते बाज़ार में, लोग सिर्फ़ स्पेसिफिकेशन्स की लिस्ट नहीं देख रहे हैं; वे एक ऐसे साथी की तलाश में हैं जो वास्तव में उनके दिन भर के काम में उनका साथ दे सके. टेक्नो स्पार्क 50 5जी के साथ, हम तकनीकी शब्दों से आगे बढ़कर उन चीज़ों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो असल दुनिया में वास्तव में मायने रखती हैं विश्वसनीयता, टिकाऊपन और ऐसा परफ़ॉर्मेंस जो लंबे, चुनौतीपूर्ण दिनों और अनिश्चित परिस्थितियों में भी आपका साथ निभाए.

एसी डॉक्टर को बेस्ट सर्विस पार्टनर अवॉर्ड

इंदौर. कुछ समय पहले इंदौर के दो युवाओं ने स्टार्टअप 'एसी डॉक्टर' द्वारा एसी को साफ करने की एक इनोवेटिव प्रक्रिया तैयार की थी. एसी डॉक्टर ने इंदौर का नाम रोशन कर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है. कंपनी को वैश्विक एसी ब्रांड डाइकिन द्वारा 'बेस्ट सर्विस पार्टनर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है. खास बात यह है कि एसी डॉक्टर को यह सम्मान डाइकिन के साथ अपने पहले ही वर्ष के सहयोग में मिला है, जो कंपनी की कार्यक्षमता, सर्विस क्वालिटी और ग्राहक संतुष्टि के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है. इस उपलब्धि पर एसी डॉक्टर के प्रतिनिधि इरशाद मुबीन ने कहा कि यह अवॉर्ड हमारे लिए गर्व का विषय है और यह हमारी टीम की मेहनत और ग्राहकों के विश्वास का परिणाम है. हमने हमेशा से क्वालिटी सर्विस, फास्ट रिस्पॉन्स और टेक्निकल एक्सीलेंस को प्राथमिकता दी है. साथ ही कंपनी अब अपने विस्तार की दिशा में भी तेजी से काम कर रही है. इंदौर में सफलता हासिल करने के बाद एसी डॉक्टर जल्द ही अन्य शहरों में भी अपनी सेवाएं शुरू करने की योजना बना रही है, जिससे ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक अपनी प्रोफेशनल सर्विस पहुंचाई जा सके. एसी डॉक्टर के प्रतिनिधि यजुवेंद्र सिसोदिया ने कहा एसी डॉक्टर की पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं जिनके अथक प्रयासों से ये संभव हो पाया.

भर्ती परीक्षाओं में गुणवत्ता उन्नयन पर जोर

▶ मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग का राष्ट्रीय सेमिनार

नवभारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा इन्दौर में आयोग की भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र रचना एवं मूल्यांकन में गुणवत्ता उन्नयन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ. यह आयोजन होटल इन्फिनिटी में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर पवन सिन्हा थे. अध्यक्षता प्रो. राजेश लाल मेहरा ने की।

कार्यक्रम का उद्घाटन अभ्युदय सत्र से हुआ, जिसमें सरस्वती वंदना, वंदेमातरम् तथा डिण्डोरी के गोंडी पंडवानी दल की सांस्कृतिक प्रस्तुति

शामिल रही. आयोग की सचिव राखी सहाय ने स्वागत भाषण दिया, जबकि डॉ. रवीन्द्र पंचभाई ने कार्यशाला की संकल्पना प्रस्तुत की. डॉ. वी.के. गुप्ता ने बीज वक्तव्य में परीक्षा प्रणाली में गुणवत्ता सुधार पर प्रकाश डाला. मुख्य अतिथि प्रो. पवन सिन्हा ने प्रश्नपत्र निर्माण में भारतीय संस्कृति और मूल्यों को शामिल करने पर बल दिया। वहीं अध्यक्ष प्रो. मेहरा ने चयन प्रक्रिया के सामाजिक प्रभाव और पारदर्शिता के महत्व को रेखांकित किया.

गुणवत्ता बढ़ाने के उपाय बताए

तकनीकी सत्रों चिंतन और मनन में विभिन्न विषयों—इतिहास, भूगोल, विज्ञान, गणित, विधि एवं भाषा- पर विशेषज्ञों ने प्रश्नपत्र निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने के उपाय बताए. डॉ. विनोद शर्मा और डॉ. अमीय पहारे ने विशेष रूप से प्रश्नों की विविधता और समसामयिकता पर जोर दिया. कार्यक्रम का समापन 'मंथन' कार्यशाला और सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ, जिसमें आदिवासी कला-संस्कृति की आकर्षक प्रस्तुति दी गई.

विदेशी छात्रों के लिए तक्षशिला परिसर में बनेगा नया हॉस्टल

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है. विभिन्न देशों से आने वाले छात्र यहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं. यहां अनुकूल रहने और खान-पान की सुविधाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो. इसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है.

विश्वविद्यालय के बजट के दौरान विशेष रूप से तक्षशिला परिसर में नए हॉस्टल के निर्माण की योजना बनाई गई है. इस हॉस्टल का उद्देश्य विदेशी छात्रों को उनके देश जैसा वातावरण प्रदान करना है, ताकि वे यहां पढ़ाई के साथ-साथ सहज और सुरक्षित जीवन भी जी सकें. विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे ने बताया कि इस परियोजना को जल्द ही कार्य रूप में लाया जाएगा. नए हॉस्टल में आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ खान-पान और रहन-सहन की ऐसी व्यवस्थाएं की जाएंगी, जो अंतरराष्ट्रीय छात्रों की जरूरतों के अनुरूप हों. इस पहल से न केवल विदेशी छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मजबूत होगी.

वंदे मातरम् हमारी संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता का प्रतीक

▶ वन्दे मातरम् 150 अभियान के अंतर्गत वन्देमातरम का सामूहिक गायन

इंदौर. वंदे मातरम 150 अभियान के अंतर्गत आयोजित विशेष चरण कार्यक्रम में मां कनकेश्वरी देवी शासकीय महाविद्यालय में महाविद्यालय के सभागृह में वंदे मातरम का सामूहिक गायन कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर डॉ संजय सोहनी की उपस्थिति में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के 289 विद्यार्थियों, एनएस एस स्वयं सेवकों एवं शैक्षणिक स्टॉफ ने सहभागिता की.

महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर डॉ संजय सोहनी ने विद्यार्थी को संबोधित

करते हुए बताया कि वंदे मातरम विशेष चरण कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वंदे मातरम के इतिहास भाव और राष्ट्रीय चेतना को जन-जन तक पहुंचाना है. वंदे मातरम हमारी संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है. संचालन डॉ शैलेंद्र पिपरिया ने किया. इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रशासनिक अधिकारी डॉ स्मिता चैतन्य, एनएसएस अधिकारी डॉ बाउ पटेल, क्रीड़ा अधिकारी डॉ बबीता अग्रवाल, डॉ निशांत मिश्रा, डॉ फातिमा जमाली, डॉ प्रगति जैन, डॉ हितेंद्र बारगल,ग्रंथपाल डॉ प्रेमलता चौरसिया, डॉ विजय ग्रेवाल सहायक प्राध्यापक वाणिज्य शासकीय महाविद्यालय राणापुर एवं अन्य शैक्षणिक स्टॉफ विशेष रूप से उपस्थित थे. आभार डॉ बबीता अग्रवाल क्रीड़ा अधिकारी ने माना.

बालिकाओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

▶ *गोपाल मंदिर में पुलिस विभाग का आयोजन*

इंदौर. गोपाल मंदिर परिसर में पुलिस विभाग द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास का संचार करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था.

कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक अभय श्रीवास ने छात्राओं और स्थानीय बालिकाओं को विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में खुद को सुरक्षित रखने के सरल और प्रभावी तरीके सिखाए. प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं ने सीखी गई तकनीकों का जीवंत प्रदर्शन

भी किया. इस आयोजन की सफलता में अंशिका श्रीवास और रुचिका श्रीवास का महत्वपूर्ण योगदान रहा. उन्होंने बालिकाओं को प्रेरित करते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे बाल विवाह और महिला अपराधों के प्रति जागरूक किया. मौके पर मौजूद पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारियों ने अभय श्रीवास के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम बताया. अधिकारियों ने कहा इस तरह के आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है. हमारा लक्ष्य है कि हर बालिका न केवल सुरक्षित महसूस करे, बल्कि किसी भी विपरीत परिस्थिति का सामना करने के लिए सक्षम बने.

एक नजर में

आईआईएम इंदौर ने का 27वां वार्षिक दीक्षांत समारोह संपन्न

सच्चा नेतृत्व लोगों से जुड़ने और उन्हें प्रेरित करने की क्षमता में निहित

इंदौर. भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर (आईआईएम इंदौर) ने शनिवार को 27वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें स्नातक होने वाले प्रतिभागियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया. बीसीजी इंडिया के चेयरमैन डॉ. जनमेजय सिन्हा समारोह के मुख्य अतिथि थे. उन्होंने दीक्षांत भाषण दिया. इस वर्ष सात प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रमों के 798 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गई.

दीक्षांत संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. जनमेजय सिन्हा ने आज के समय में नेतृत्व पर एक गहन और मानवीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया. उन्होंने स्नातकों को यह स्मरण कराया कि सभी प्रणालियों, रणनीतियों और

प्रौद्योगिकियों के केंद्र में मनुष्य ही होते हैं, और यह आवश्यक है कि हम उन्हें संवेदनशील प्राणी के रूप में समझें. उन्होंने कहा कि वैश्विक जटिलताओं के बीच आगे बढ़ते हुए सच्चा नेतृत्व केवल निर्णय लेने में नहीं, बल्कि लोगों को समझने, उनसे जुड़ने और उन्हें प्रेरित करने की क्षमता में निहित होता है. उद्घाटन संबोधन में आईआईएम इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन एम. एम. मुरुगप्पन ने कहा कि किसी महान संस्थान की पहचान केवल उसकी दीर्घायु नहीं होती, बल्कि लगातार बदलती दुनिया में उसकी प्रासंगिकता बनाए रखने की क्षमता ही वास्तविक महत्व रखती है. उन्होंने प्रो. हिमांशु राय के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की. उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वर्तमान पीढ़ी के प्रबंधकों की सबसे महत्वपूर्ण क्षमता केवल समस्याओं का समाधान करना नहीं, बल्कि अनिश्चितताओं के बीच स्पष्टता और दृढ़ता के साथ मार्गदर्शन करना होगी. इस अवसर पर स्वर्ण पदक विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं समग्र प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया.

ईमानदारी तथा विश्वसनीयता नेतृत्व की वास्तविक नींव

आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने उद्देश्य की स्पष्टता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि तीव्र गति से बदलती दुनिया में एक सशक्त उद्देश्य व्यक्ति के लिए आंतरिक दिशा-सूचक यानि कम्पास का कार्य करता है और सफलता की व्यक्तिगत परिभाषा को निर्धारित करता है. उन्होंने चरित्र की दृढ़ता पर भी प्रकाश डाला और कहा कि ईमानदारी तथा विश्वसनीयता नेतृत्व की वास्तविक नींव होती है, विशेषकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में. योगदान की भावना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि करुणामय और उत्तरदायी नेतृत्व के माध्यम से समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव से भी मापें.